खास खबरें

इस समंदर में नहीं डूबता कोई शख्स, पेड़-पौधे के लिए जहर और इंसानों के लिए अमृत है पानी

ये दुनिया कई रहस्यों से भरी पड़ी है। इनमें कई रहस्य ऐसे हैं, जिन्हें सुलझा लिया गया तो वहीं कई ऐसे हैं जिन पर से अभी पर्दा नहीं उठा है। इसी कड़ी में आज हम आपको एक ऐसे समुद्र के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप बिना लाइफ जैकेट के भी जाएंगे तो डूबेंगे नहीं।

इस समुदंर को 'डेड सी' कहते हैं, ये किसी की जान नहीं लेता, बल्कि उन्हें सेहतमंद बनाता है। जिन्हें डूबने का डर सताता हो, उनके लिए ये जगह किसी वरदान से कम नहीं है। डेड सी जॉर्डन और इजरायल के बीच में है। इसके नाम के पीछे का कारण यह है कि इसके आसपास कोई जिंदगी नहीं है।

यहां आप बिना लाइफ जैकेट के पानी में लेटते हुए तैरने का अनुभव ले सकते हैं। यही कारण है कि इस समंदर में यात्रियों की भीड़ लगी रहती हैं और वे यहां आकर जमकर मस्ती करते हैं। जिस कारण यहां लोग डूबने के डर से कोसों दूर आराम से पानी में लेटे हुए नॉवल, न्यूपेपर और लैपटॉप जैसी चीजों का इस्तेमाल बड़े ही आराम से करते हैं। इस समुद्र को 'साल्ट सी' भी कहते हैं, क्योंकि इसका पानी अन्य समुद्र के मुकाबले ज्यादा खारा है। जिस कारण यहां कोई जीव या पौधा नहीं है। भले ही इस समुद्र में जीव या पौधें नहीं हो, लेकिन यह इंसानों के लिए सबसे सुरक्षित और लाभदायक समुद्र है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समुद्र में नहाने से सभी रोग दूर हो जाते हैं और स्किन के लिए तो यह अमृत के समान है।

2027 से पर्यटक अंतरिक्ष में कर पाएंगे हॉलिडे सेलिब्रेट, इतना होगा किराया

स्वर्ग में सीढ़ी लगाना यह कहावत चरितार्थ सच साबित होने वाली है। खबरों की मानें तो अगर सब कुछ तय कार्यक्रम अनुसार होता है, तो 2027 से पर्यटक अंतरिक्ष में हॉलिडे सेलिब्रेट कर सकते हैं। इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। यह कल्पना से परे की सोच है। पर्यटक इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्तमान समय में पर्यटक पृथ्वी की एक छोर से दूसरी छोर की यात्रा कर चुके हैं। हालांकि, अंतरिक्ष की सैर का मलाल सबको है, लेकिन यह सपना आने वाले वर्षों में भी पूरा होने वाला है। इसके लिए हाल के दिनों में सक्रियता बढ़ी है। इससे पहले रिचर्ड ब्रैंसन की वर्जिन गैलेक्टिक स्पेस यान ने भी पर्यटकों को अंतरिक्ष की सैर कराने की घोषणा की है। ऐसी संभावना है कि 2022 में पहली बार पर्यटक स्पेस यान से 90 मिनट तक अंतरिक्ष की सैर करेंगे। वहीं, 2027 से अंतरिक्ष की होटल में ठहरकर हॉलिडे सेलिब्रेट कर सकते हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि के कंस्ट्रक्शन का काम 2026 से शुरू होगा, जो 2027 में तैयार हो जाएगा। इसके बाद से पर्यटक अंतरिक्ष की न केवल यात्रा कर सकते हैं, बल्कि अंतरिक्ष में रूककर दोस्तों के साथ पार्टी भी कर सकते हैं। हालांकि, इसका किराया थोड़ा ज्यादा एक्सपेंसिव है। तीन दिनों के लिए आपको 5 मिलियन डॉलर्स यानी तकरीबन 37 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं।

अंतरिक्ष में इस होटल का निर्माण कंपनी के द्वारा किया जाने वाला है। इस बारे में कंपनी का कहना है कि स्पेस होटल में बार, रेस्त्रां और जिम की सुविधाएं होंगी। इस होटल में एक साथ 280 मेहमान रह सकते हैं। अब आपके मन में यह सवाल उठ रहा होगा कि सभी बिना गुरुत्वाकर्षण के हवा में लटककर पार्टी करेंगे। आपको बता दें कि कंपनी इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और आर्टिफीसियल ग्रेविटी तैयार किया जाएगा, ताकि आप अपने पैर पर स्पेस होटल में खड़े होकर चांद-तारों का दीदार कर सके।

18 साल से जेल में बंद है सीरियल किलर मां, अब वैज्ञानिकों का दावा-उसने नहीं की बच्चों की हत्या

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक और डॉक्टर एक ऐसी सीरियल किलर मां को माफी देने की बात कर रहे हैं, जिस पर अपने ही बच्चों की हत्या का दोष साबित हुआ है। इस सीरियल किलर का नाम कैथलीन फॉलबिग है। कैथलीन को 2003 में अपने 4 बच्चों की हत्या का दोषी करार दिया गया था। इसे 'आस्ट्रेलिया की सबसे खतरनाक महिला सीरियल किलर' भी कहा जाता है। लोगों को उन्हें क्षमा कर देने की अचानक उठी मांग पर हैरानी हो रही है। लेकिन देखिए क्या कहते हैं वैज्ञानिक।

कई साल पहले कैथलीन फॉलबिग पर अपने चार बच्चों की हत्या करने का आरोप लगा था। फॉलबिग के चार बच्चों में पैट्रिक, सारा, सलेब और लारा एलिजाबेथ थे। कैथलीन ने 1990 से 1999 के बीच इन बच्चों को मारा था। आपको जानकार आश्चर्य होगा कि इनमें सबसे छोटा बच्चा सलेब था जो हत्या किए जाने के समय 19 दिन का था। वहीं सबसे बड़ी लारा एलिजाबेथ 19 महीने की थी।

2003 से अब तक कैथलीन ने 18 साल जेल में बिताए हैं। डेली मेल के रिपोर्टों के अनुसार 1990 से लेकर 1999 के बीच वह मानसिक तनाव और गुस्से की समस्या से जूझ रही थी। लोगों का मानना है कि इसी वजह से उसने अपने इन चारों बच्चों की हत्या कर दी। हालांकि कैथलीन ने हमेशा से इन आरोपों को खारिज किया है। उसका कहना है कि उसके बच्चों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है, ना कि उनकी वजह से। कैथलीन को दोषी करार दिए जाने के लिए यानी परिस्थितियों पर आधारित साक्ष्यों का सहारा लिया गया था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इसके खिलाफ सीधे सबूत नहीं थे। ऐसे में घटना को साबित करने के लिए उस समय और स्थान के आसपास होने वाली परिस्थितियों से निष्कर्ष निकाला जाए और उसे ही सबूत मान लिया गया। कैथलीन के केस में उनकी डायरी से ऐसी कई बातें पता चलीं, जो उन्हें दोषी ठहराने में भूमिका निभाई। इस डायरी में कैथलीन अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों और घटनाओं को लिखा करती थीं। जब कैथलीन से उनकी डायरी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कोई दैवीय शक्ति उनके बच्चों को उनसे दूर ले गई और उनकी डायरी में लिखी गई बातें, उन्हें एक मां के रूप में अपने बच्चों को खो देने के बाद के गम का प्रतीक हैं।

दूसरी बार भी दोष साबित हुआ -साल 2019 में कुछ लोगों ने कैथलीन को दोषमुक्त करार दिए जाने के लिए याचिका डाली थी। तब न्यू साउथ वेल्स सरकार ने रेजीनाल्ड ब्लॉक नाम के एक जज की देखरेख में जांच कराने का ऐलान किया थी। लेकिन उनकी 500 पन्नों की रिपोर्ट में भी कैथलीन को दोषी पाया गया था।

कैथलीन के लिए क्षमा मांग करने वालों में लगभग 90 डॉक्टर और वैज्ञानिक शामिल हैं। इनमें से दो नोबेल पुरस्कार विजेता भी हैं- पीटर डोहर्टी और एलिजाबेथ ब्लैकबर्न। इन लोगों का यह मानना है कि कैथलीन के चारों बच्चों की मौत एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी के कारण हुई है। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने न्यू साउथ वेल्स के गवर्नर को एक याचिका सौंपी है। इसमें उन्होंने कैथलीन के साथ होने वाले अन्याय को रोकने की बात की है। उन्होंने लिखा है, श्रीमती फॉलबिग का मुकदमा एक बड़ी ही खतरनाक मिसाल स्थापित कर देगा। इसका मतलब होगा कि जिसकी व्याख्या अलग-अलग तरीके से की जा सकती हो, उसके आधार पर ठोस मेडिकल और वैज्ञानिक प्रमाणों को आसानी से अनदेखा किया जा सकता हैडॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने कैथलीन की संतान सारा और लारा के डीएनए तो देखा कि इन दोनों ने अपनी मां से एक आनुवंशिक लक्षण पाया है, जिसको कॉल्माड्युलिन 2 कहते हैं। दरअसल एक जीन है, जो शिशुओं में कार्डियक अरेस्ट यानी दिल के दौरे का कारण बनता है।

वकील का तर्क-कैथरीन के वकील का कहना है कि ये बच्चों और बड़ों में अचानक होने वाली मृत्यु का कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए कई शोधों से पता चलता है कि कैथरीन के दो अन्य बच्चों पैट्रिक और सलेब की मृत्यु दूसरे प्रकार के आनुवंशिक रोगों से हुई होगी।

धरती पर मौजूद यह झील खोल सकती है मंगल ग्रह पर जिंदगी का राज!

एक तरफ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा, मार्स पर भेजे गए अपने रोवर के जरिए लाल ग्रह पर प्राचीन काल में जीवन की मौजूदगी की जानकारी जुटा रही है, दूसरी ओर, कुछ वैज्ञानिक धरती पर मौजूद एक तालाब के जरिए मंगल ग्रह को समझने की कोशिश कर रहे हैं। यह खास झील तुर्की में स्थिति है।नासा का कहना है कि तुर्की की सालडा झील में मिले मिनरल्स और पत्थर, मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर के पास मिले चट्टानों से सबसे अधिक मिलते जुलते हैं। बता दें कि मंगल ग्रह पर मौजूद ही वह जगह है जहां पर नासा के रोवर की लैंडिंग कराई गई है। ऐसा समझा जाता है कि पर पहले काफी पानी हुआ करता था।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सालडा झील से जुटाई गई जानकारी, मंगल ग्रह पर प्राचीन काल में मौजूद जीवन को समझने में मदद कर सकती है। नासा के अधिकारी थॉमस जरबचेन ने बताया कि हमारे सीखने और समझने के लिए सालडा झील एक महत्वपूर्ण चीज साबित हो सकती है।

असल में अमेरिका और तुर्की के वैज्ञानिकों ने 2019 में ही सालडा झील के कुछ हिस्सों पर रिसर्च की थी। नीले पानी और सफेद बीच की वजह से सालडा झील को तुर्की का मालदीव भी कहा जाता है।

हिरण ने तेज रफ्तार कार के ऊपर से लगाई हैरतअंगेज छलांग, खतरनाक मंजर देख उड़े लोगों के होश

दुनिया का हर शख्स सफर करते हुए कई हैरतंगैज नजारे देखता है। कुछ नजारे देखकर तो इंसान इतना हैरान हो जाता है कि उसे अपनी आंखों पर यकीन नहीं होता है। दरअसल कई बार ऐसे वाकये घट जाते हैं, जिनका अंदाजा लगाना भी मुमकिन नही है। सोचिए अगर आप कार को हाईवे पर पूरी स्पीड के साथ दौड़ा रहे हो और सामने से अचानक से जानवरों को झुंड आ जाए तो क्या होगा। अब जाहिर सी बात है कि हर कोई यही कहेगा कि फिर तो बड़ा हादसा होना तय है। लेकिन कई बार ऐसे मौके पर कुछ ऐसा घट जाता है, जिसकी उम्मीद तक नहीं की जाती है। सोशल मीडिया की दुनिया में इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी लोगों की दिलचस्पी की वजह बन रहा है। अगर आप भी इसे गौर से देखेंगे तो ये साफ नजर आ जाएगा कि एक कार पूरी रफ्तार के साथ सड़क पर फर्राटा भर रही है। लेकिन इसी बीच सड़क पर हिरणों का झुंड गाड़ियों के सामने अचानक से आ जाता है। मगर कमाल की बात ये है कि कार हिरणों के झुंड के साथ बड़ी जोर से टकराती है। इसके बावजदू कार किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होती है।

80 साल का बुजुर्ग 30 साल से रोज खाता है 250 ग्राम पत्थर

सतारा

महाराष्ट्र के सतारा से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक 80 साल का एक बुजुर्ग रोज 250 ग्राम पत्थर खाता है। बुजुर्ग का पत्थर खाने का सिलसिला पिछले 31 साल से चल रहा है। रामभाऊ बोडके को गांव के लोग पत्थर वाले बाबा भी बुलाते हैं। बात करते हुए रामभाऊ बोडके ने बताया कि वो 1989 में मुंबई में मजदूरी करने गए थे। वहां पर उनके पेट में अचानक दर्द शुरू हो गया। तीन साल तक उन्होंने मुंबई में इलाज कराया। लेकिन उनकी तकलीफ दूर नहीं हुई इसके बाद वो सतारा आ गए और खेतीबाड़ी करने लगे। इस दौरान भी रामभाऊ बोडके के पेट का दर्द खत्म नहीं हुआ।

एक दिन खेत में काम करने के दौरान गांव में ही रहने वाली एक बूढ़ी महिला ने उन्हें पत्थर खाने का यह उपाय बताया। जिसके बाद उन्होंने पत्थर खाना शुरू कर दिया। पत्थर खाने से उन्हें आराम भी मिल गया। जिसके बाद से वे हर दिन पत्थर खाते हैं। रामभाऊ बोडके 31 साल से रोज पत्थर खा रहे हैं अब उन्हें इस खाने में मजा आता था। उनकी जेब में हमेशा पत्थर के छोटे-छोटे कंकड़ पड़े रहते हैं, जब उनका मन होता है जेब से निकाल कर खा लेते हैं।

ये मामला तब सामने आया जब पेट में दर्द होने के कुछ दिन पहले बुजुर्ग को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया और सीटी स्कैन के बाद पता चला कि उसके पेट में पत्थरों का अंबार लगा हुआ है। इन्हे गांव के लोग पत्थर वाले बाबा के नाम से भी बुलाते हैं। इतना ही नहीं इसे एक चमत्कार मान कर दूर-दूर से लोग उनसे मिलने आते हैं। रामभाऊ बोडके के रोज 250 ग्राम पत्थर खाने से लोगों के अलावा डॉक्टर भी हैरान हैं। आखिर कोई व्यक्ति बीते 30 साल से रोज 250 ग्राम पत्थर कैसे खा सकता है। इस बीच रामदास यह भी बताते हैं कि कि पत्थर खाने के बाद उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है और अपनी दिनचर्या सामान्य रूप से जीते हैं। शुरुआत में परिवार के लोग इस कारण से चिंतित रहते थे, लेकिन अब उनके लिए भी ये सामान्य बात हो गई ।

गर्मी से बचने के लिए फ्रीजर में बैठा बच्चा, जमने से हुई मौत, पीड़ित परिवार को हत्या का शक ..!

ब्रासिलिया

ब्राजील में एक 15 वर्षीय बच्चे की फ्रीजर में जमने से मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चा गर्मी से निजात पाने के लिए फ्रीजर में बैठा होगा, लेकिन किसी कारणवश बाहर नहीं निकल पाया, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, पीड़ित परिवार इसे हत्या बता रहा है। उसका कहना है कि फ्रीजर के पास मौजूद कुर्सियां इसका सबूत है कि मृतक वहां अकेला नहीं था। कुछ और लोग भी उसके साथ थे, जो वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

'द सन' की रिपोर्ट के अनुसार, 15 वर्षीय होजे एडुआर्डो रोजा का शव पश्चिम-मध्य ब्राजील के कैंपो ग्रांडे शहर स्थित उसकी दादी के घर में रखे फ्रीजर से बरामद हुआ है। रोजा ने केवल शॉर्ट्स पहने हुए थे। पुलिस अधिकारी एलेन बेनिकासा ने बताया कि 11 जनवरी की इस घटना की विस्तृत जांच के बाद काफी हद तक यह साफ हो गया है कि रोजा की न तो हत्या हुई और न ही उसने आत्महत्या की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक हादसा था, जिसमें रोजा की जान चली गई।

पुलिस का मानना है कि मृतक अपनी दादी के घर की चाबी हासिल करके किसी को कुछ बताए बिना वहां गया था। जिसके बाद वह गर्मी से बचने से लिए आंगन में रखे फ्रीजर में जाकर बैठ गया। हालांकि, अभी ये साफ नहीं हो पाया है कि होजे एडुआर्डो रोजा की मौत किस वजह से हुई, लेकिन अधिकारियों को लगता है कि एनाबॉलिक स्टेरॉयड के उपयोग से अचानक हुई किसी बीमारी या फिर दम घुटने की वजह रोजा की मौत हुई होगी। मृतक के परिवार को भी हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत है।

होजे एडुआर्डो रोजा के शव को सबसे पहले उसके कजिन कार्लोस रॉड्रिक्स (20) ने देखा। रॉड्रिक्स ने बताया कि जब रोजा काफी देर तक दिखाई नहीं दिया, तो वो उसे दादी के घर देखने गया। जहां फ्रीजर से काफी बदबू आ रही थी, जैसे ही उसने फ्रीजर खोला उसके होश उड़ गए। पीड़ित परिवार का कहना है कि फ्रीजर वाले स्थान पर कई कुर्सियां भी रखी हुईं थीं, जिनसे पता चलता है कि रोजा वहां अकेला नहीं था।

मृतक के 26 वर्षीय रेफ्रिजरेटर तकनीशियन भाई लियोनार्डो ने कहा कि रोजा का इस तरह जाना हमारे लिए सदमे से कम नहीं है। सभी उसे बहुत प्यार करते थे। एक हफ्ते पहले ही रोजा के अंकल की मौत हुई थी और करीब एक महीने पहले उसके दादा का निधन हुआ था। लियोनार्डो ने कहा कि हमारे लिए यह विश्वास करना मुश्किल है कि रोजा गर्मी से बचने के लिए फ्रीजर में बैठ गया होगा।

आपका राशिफल 13 मार्च

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी तू ते तो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और सामन्जस्य बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। सप्ताह पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डौ हू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और सामन्जस्य बन जाएगा। चार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-5-7

सिंह मा मी मू मो मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक 1 3 6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ ते तो

पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पदोन्नति व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक 2 4 6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष को सामान्य सामान्य होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भातृपक्ष से विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक 5 7 8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। सौभाग्यिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर चर्चा होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन देन में असमंजस ठीक नहीं। शुभांक 3 5 7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। सप्ताह पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर भो जा जी खी खू खे खो ना नी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक 3 6 9

कुंभ गू गे गो सा शी शू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

स्पेशल खबर.. *शनि कुंभ राशि के स्वामी होते हैं। कुंभ राशि के जातकों पर इस समय साढ़े साती भी चल रही है।*

कुंभ राशि वालों के लिए कल का दिन है खास, जानिए अमावस्या का महत्व और रोचक तथ्य

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन का महीना सबसे आखिरी और बेहद खास महीना माना गया है। इसी माह में महाशिवरात्रि और होली जैसे पर्व मनाए जाते हैं। फाल्गुन के महीने की अमावस्या का भी विशेष महत्व है। इस बार शनिवार के दिन ये अमावस्या पड़ने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। शनिवार के दिन जब अमावस्या तिथि पड़ती है तो इसे शनैश्चरी अमावस्या या शनि अमावस्या कहा जाता है। शनि अमावस्या पर दान और स्नान का विशेष महत्व है, साथ ही पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म भी किए जाते हैं। राहु-केतु से निर्मित कालसर्प दोष और पितृदोष की शांति कराने के लिए भी ये दिन काफी उत्तम माना जाता है। इसके अलावा जो लोग शनिदोष, साढ़ेसाती, शनि की ढैया से प्रभावित हैं, उन्हें इस दिन शनिदेव की पूजा करनी चाहिए। इससे उनके तमाम कष्ट दूर होते हैं।

जानिए क्या होती है अमावस्या: हिन्दू पंचांग के अनुसार माह के 30 दिन को चंद्र कला के आधार

पर 15-15 दिन के दो पक्षों में बांटा गया है। शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन को पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन को अमावस्या कहा जाता है। अमावस्या को सूर्य और चंद्रमा के मिलन का समय माना जाता है। इस दिन सूर्य और चंद्र दोनों एक ही राशि में होते हैं।

कुंभ राशि वालों के लिए बेहद खास है शनैश्चरी अमावस्या: 13 मार्च 2021 को अमावस्या का दिन कुंभ राशि वालों के लिए बेहद खास माना जा रहा है। इस दिन शनि की राशि कुंभ में चतुर्ग्रही योग बन रहा है। इस दिन सूर्य, चंद्र, बुध, और शुक्र चारों ग्रह एक ही राशि में होंगे। शनि कुंभ राशि के स्वामी होते हैं। कुंभ राशि के जातकों पर इस समय साढ़े साती भी चल रही है। ऐसे में वे शनि के विशेष उपाय करके शनिदेव को प्रसन्न कर सकते हैं और साढ़ेसाती से मुक्ति पा सकते हैं।

अमावस्या से जुड़े रोचक तथ्य

1. शास्त्रों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का विशेष महत्व है।
2. अमावस्या पर तीर्थ स्नान, जाप और व्रत करने से ऋण और सभी पापों से मुक्ति मिलती है।
3. ज्योतिष में चंद्र को मन का देवता माना गया है। अमावस्या के दिन चंद्रमा दिखाई नहीं देता। ऐसे में मन में नकारात्मक विचार बढ़ते हैं। जो लोग अति भावुक होते हैं, उन पर इस बात का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।
4. अमा नाम की चंद्र की एक महाकला है, जिसमें चंद्र की सोलह कलाओं की शक्तियां शामिल हैं। इस कला का क्षय और उदय नहीं होता है।
5. जो लोग अमावस्या पर व्रत रखना चाहते हैं, उन्हें इस दिन सिर्फ दूध का सेवन करना चाहिए। आमतौर पर ये व्रत एक वर्ष तक किया जाता है।